नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

समोसे , जलेबी और चेतावनी ....!

केंद्र सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए समोसा, जलेबी, वड़ा पाव इत्यादि खाद्य पदार्थों पर चेतावनी देने के निर्देश दिए हैं कि इसमें कितनी तेल और शुगर वापरी गई है. भारत एक युवा देश है लेकिन हमारे युवा जंक फूड और अस्वास्थ्यकारक खाद्य पदार्थ खाने के आदी हो गए हैं. अनेक वजहों से उन्हें घर का सात्विक भोजन पसंद नहीं आता. जाहिर है यह समस्या बीमारी का रूप ले चुकी है. क्या कभी सोचा है कि एक समोसे में 362 कैलोरी और 28 ग्राम फैट, एक जलेबी में शुगर का खतरनाक स्तर, और एक वड़ा पाव में लगभग 263 कैलोरी आपके शरीर के साथ क्या कर रहे हैं? यही नहीं, हमारे बच्चों के टिफिन बॉक्स में रोज़ाना जो नूडल्स, पास्ता, बर्गर और सैंडविच जाते हैं, उनमें छिपी वसा और चीनी धीरे-धीरे हमारे समाज को बीमार और कमजोर बना रही है.

विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट बताती है कि भारत में मोटापे के मामले पिछले दस वर्षों में दोगुने हो चुके हैं. 5 से 19 साल के बच्चों में 14 फीसदी से अधिक अब मोटापे या ओवरवेट श्रेणी में आते हैं. ये आंकड़े सिर्फ संख्या नहीं, आने वाले समय में होने वाले मधुमेह, हृदय रोग और कैंसर के खतरे की घंटी हैं. इस पृष्ठभूमि में भारत सरकार का स्वास्थ्य मंत्रालय जो कदम उठा रहा है, वह स्वागत योग्य है. समोसा, जलेबी, वड़ा पाव जैसे लोकप्रिय स्नैक्स पर सिगरेट जैसी चेतावनी लगाने की योजना एक साहसिक पहल है. योजना के तहत केंद्रीय संस्थानों और सार्वजनिक स्थानों पर 'ऑयल और शुगर बोर्ड' लगाए जाएंगे, जिन पर स्पष्ट रूप से लिखा होगा कि इस भोजन में कितनी कैलोरी, कितनी वसा और कितनी चीनी है. यह पहल नागपुर के एम्स सहित कुछ संस्थानों से शुरू हो रही है. लेकिन सवाल यह है—क्या सिर्फ बोर्ड लगाने से आदतें बदलेंगी?

भारत में साक्षरता और भाषाई विविधता को देखते हुए विशेषज्ञ मानते हैं कि 'हेल्थ स्टार रेटिंग' नहीं, बल्कि सीधे चेतावनी लेबल जरूरी हैं. चिली, मेक्सिको जैसे देशों में यह मॉडल सफल रहा है, जहां चीनी और फैट की खपत में उल्लेखनीय कमी आई. भारत को भी यही करना होगा. मगर केवल लेबल और बोर्ड पर्याप्त नहीं. हमें जनजागरण की लहर उठानी होगी. क्योंकि सबसे ज्यादा खतरे में हैं हमारे बच्चे ! जो देश का भविष्य हैं. आज उनका बचपन जंक फूड में डूबा है. अगर यह नहीं बदला तो उनकी कार्यक्षमता, उनकी सेहत, और आगे चलकर देश की आर्थिक प्रगति पर असर पड़ेगा. यह सिर्फ स्वास्थ्य का मुद्दा नहीं, राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा है. इसलिए सरकार के साथ-साथ सामाजिक संस्थाएं, अभिभावक, स्कूल और मीडिया सबको मोर्चा संभालना होगा. टीवी, रेडियो, सोशल मीडिया पर स्वास्थ्य अभियानों को आक्रामक तरीके से चलाना होगा. बच्चों को यह सिखाना होगा कि स्वाद से बढ़कर सेहत है.

आज हम अगर चुप रहे तो कल हमें मोटापे, बीमारियों और चिकित्सा खर्च के पहाड़ के नीचे दबना होगा. सवाल सिर्फ समोसे, जलेबी या बर्गर का नहीं है, सवाल है आने वाली पीढ़ी के स्वस्थ भारत का. अब समय आ गया है कि स्वाद के नाम पर जहर पर कड़ी चेतावनी लगे और लोग जागरूक हों.

देव-दानव दोनों के अराध्य शंकर

आचार्य गौरव शर्मा

> याज्ञवल्क जी कहते हैं शिव की भक्ति के बिना राम जी की भक्ति प्राप्त नहीं हुई, इसीलिए रामचरित मानस में राम जन्म के पूर्व शिव कथा का प्रसंग है .लंका पर विजय प्राप्त करने के लिए भगवान राम ने समुद्र किनारे शिवलिंग बनाकर शिवजी की पूजा की थी और शिव रुद्राष्टक स्तोत्र का श्रद्धापूर्वक पाठ किया था. इससे प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें विजयश्री का आशीर्वाद दिया था. आशीर्वाद के साथ ही श्रीराम ने शिवजी से अनुरोध किया कि जनकल्याण कि लिए वे सदैव ज्योतिर्लिंग के रूप में यहां निवास करें . उनकी इस प्रार्थना को भोलबाबा ने सहर्ष स्वीकार किया .

महादेव एक उर्जा हैं जिसका न कोई आदि हैं और न उनका कोई अंत हैं. ध्यान का अंतिम क्षण जब मनुष्य को परम सुख का आनंद मिलता हैं उसी आनंद के परम सुख को ही शिव कहा जाता हैं. ऐसा कोई स्थान नहीं है जहाँ शिव न हों. यह वह आकाश हैं, वह चेतना है, जहाँ सारा ज्ञान विद्यमान है. वे अजन्मे हैं और निर्गुण हैं. यह समाधि की वह अवस्था है जहाँ कुछ भी नहीं है, केवल भीतरी चेतना का खाली आकाश है. वही शिव हैं. वेद, उपनिषद, आगम, इतिहास, पुराण आदि सभी उनका बहुत महिमामंडन करते हैं.

एको ही रुद्र, द्वितीयो नास्ति, न भूतो न भविष्यति

सर्वप्रथम शिव ने ही धरती पर जीवन के प्रचार-प्रसार का प्रयास किया इसलिए उन्हें आदिदेव.भी कहा जाता है. भगवान शिव को देवों के साथ असुर, दानव, राक्षस, पिशाच, गंधर्व, यक्ष आदि सभी पूजते हैं. वे रावण को भी वरदान देते हैं और राम को भी. उन्होंने भस्मासुर, शुक्राचार्य आदि कई असुरों को वरदान दिया था. शिव, सभी आदिवासी, वनवासी जाति, वर्ण, धर्म और समाज के सर्वोच्च देवता हैं. भारत की असुर, रक्ष और आदिवासी जाति के आराध्य देव शिव ही हैं. शैव धर्म भारत के आदिवासियों का धर्म है. असुरों के कुलगुरु शुक्राचार्य महान शिवभक्त हैं. भगवान शिव के कई असुरों को वरदान दिया है. उनके लिए देव दैत्य सब समान हैं इसीलिए वही एक ऐसे हैं जिनकी पूजा दोनों करते हैं. जो तीनों लोकों में तिरस्कृत हैं, महादेव उन्हें अपने पास स्थान देते हैं.

प्रहलाद जी के पुत्र विरोचन थे, विरोचन के पुत्र बलि तथा बलि के पुत्र बाणासुर हुए जो महान शिव भक्त थे. बाणासुर ने हजारों वर्षों तक शिव जी की आराधना कर उन्हें प्रसन्न कर लिया था एवं अपनी राजधानी शोणितपुर में रहने एवं सुरक्षा करने हेतु तैयार कर लिया था. वे कभी पक्षपात नहीं करते, इसीलिए वे असुरों को भी उतने ही प्रिय हैं जितने देवों को. शिव के व्यक्तित्व में ऐसा चुंबक है जिसके कारण समाज में संपन्न लोगों से लेकर शोषित, वंचित, भिखारी तक उन्हें अपना मानते हैं. वे देव, दानव मानव सभी के महादेव है. . वे उत्सव प्रिय है जो शोक अवसाद और अभाव में भी उत्सव मनाने की उनके पास कला है. उदास परंपरा बीमार समाज बनाती है. श्मशान में उत्सव मनाने वाले वे अकेले देवता है. भोले बाबा का चरित्र सबसे सहज है. भारतीय मन मस्तिष्क पर सबसे प्रभावी है. भगवान शिव का एक नाम भोले बाबा भी है, अर्थात जो सरल हो जिसमें छल कपट न हो. अब वो इतने भोले है कि साधारण सी वस्तु से प्रसन्न हो जाते है यहां तक मान्यता है मात्र जल का अर्घ्य देने से वो प्रसन्न हो कर मनोकामना पूर्ण कर देते हैं शिव वैकारिक, तैजस, तामस - इन तीन प्रकार के अहंकारों के अधिष्ठातृ देव हैं और राक्षस स्वभाव से ही राजस-तामस होते हैं .

भोलेनाथ के नाम में ही भोले है. सब कुछ जानते बूझते भी उनके स्वभाव में भोलापन है. उन्हें आशुतोष कहा गया है अर्थात अतिशीघ्र प्रसन्न होने वाला. उन्हें प्रसन्न करने के लिए किसी अनुष्ठान की आवश्यकता नहीं, वे तो सच्चे मन से केवल जल चढ़ाने पर भी प्रसन्न हो जाते हैं. दूसरी सबसे बड़ी बात ये कि महादेव भाव प्रधान हैं. उनके लिए पूजा की विधि कोई मायने नहीं रखती, केवल भक्ति भाव को ही वे देखते हैं. वे भौतिक और अलौकिक दोनों सम्पदाओं के स्वामी हैं और दोनों प्रकार की इच्छित फल प्रदान करते हैं. असुर सदैव भौतिक वस्तुएं ही वरदान में मांगते थे.

देवताओं की दैत्यों से प्रतिस्पर्धा चलती रहती थी. ऐसे में जब भी देवताओं पर घोर संकट आता था तो वे सभी देवाधिदेव महादेव के पास जाते थे. दैत्यों, राक्षसों सहित देवताओं ने भी शिव को कई बार चुनौती दी, लेकिन वे सभी परास्त होकर शिव के समक्ष झुक गए, इसीलिए शिव हैं देवों के देव महादेव. वे दैत्यों, दानवों और भूतों के भी प्रिय भगवान हैं.

दिल्ली डायरी

मुख्यमंत्री चेहरा व सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस व राजद में शीतयुद्ध

प्रवेश कुमार मिश्र

बिहार विधानसभा चुनाव नजदीक आते देख इंडिया गठबंधन में शामिल राजद की ओर से मुख्यमंत्री चेहरा तेजस्वी यादव को घोषित करने के लिए कांग्रेस पर दबाव डाला जाने लगा है. चर्चा है कि राजद सुप्रीमों लालू प्रसाद यादव तब तक गठबंधन सीट पर अंतिम मुहर लगाने को तैयार नहीं हैं जबतक उनके पुत्र को गठबंधन की ओर से औपचारिक रूप से मुख्यमंत्री चेहरा घोषित नहीं किया जाता.

हालांकि कांग्रेस पार्टी के रणनीतिकार इस पर चुनाव बाद निर्णय करने के पक्षधर हैं इसलिए वे सीधे तौर पर कुछ कहने के बजाय कांग्रेस समर्थित निर्दलीय सांसद पप्पू यादव के माध्यम से इस संबंध में बयान दिला रहे हैं. दिल्ली में चर्चा है कि पप्पू यादव को कांग्रेस पार्टी ने एक सोची-समझी रणनीति के तहत पहली बार किसी महत्वपूर्ण बैठक में औपचारिक रूप से शामिल कराकर राजद पर दबाव बना दिया है.

चर्चा है कि कांग्रेस पार्टी बिहार विधानसभा के 243 सीटों में से कम से कम 60 सीट पर उम्मीदवार उतारने की तैयारी में है लेकिन राजद की ओर से उसे ज्यादा से ज्यादा 50 सीट देने की बात की जा रही है.

मतदाता विशेष पुनरीक्षण को लेकर पक्ष व विपक्ष में वाकयुद्ध

बिहार में चल रहे मतदाता विशेष पुनरीक्षण पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पूर्ण रूप से रोक लगाने से इंकार किए जाने के बाद भी पक्ष व विपक्ष आमने-सामने हैं. चुनाव आयोग की स्वतंत्रता को कठघरे में खड़ा करते हुए कांग्रेस,राजद समेत इंडिया गठबंधन में शामिल दलों की ओर से पटना समेत पूरे प्रदेश में विरोध प्रदर्शन किया गया है वहीं भाजपा व जदयू की ओर से इसे सही मानते हुए जनजागृति कार्यक्रम चलाया जा रहा है.

चर्चा है कि पुनरीक्षण कार्यक्रम के कारण जहां एक तरफ बंगलादेशी रोहिंग्या मतदाता को चिंहित कर बाहर किया जा रहा है वहीं दूसरी ओर वर्षों से बिहार छोड़ चुके प्रवासी मतदाताओं को भी एकल मतदान के नियम के तहत दूसरे प्रदेशों से नाम हटाकर वापस बिहार में अपने को सत्यापित करना पड़ रहा है. चर्चा है कि विपक्षी दलों को इस बात को लेकर डर सता रहा है कि इस प्रक्रिया के तहत कहीं उनके समर्थक मतदाताओं का नाम तो नहीं काट दिया जाएगा.

संघ के साथ समन्वय बैठाने में जुटे भाजपाई रणनीतिकार

भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा , यह सवाल अभी यक्ष प्रश्न के रूप में बना हुआ है. चर्चा है कि संघ के पसंद और नापसंद के कारण भाजपा अध्यक्ष के नाम को लेकर स्थिति उलझी हुई है. हालांकि संघ ने विभिन्न मौकों पर स्पष्ट किया है कि वह भाजपा के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं देती बल्कि सलाह मांगने पर सुझाव भर देती है. दिल्ली के राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि पहली बार किसी महिला के हाथ में नेतृत्व देने को लेकर भाजपा में जबरदस्त तैयारी चल रही है लेकिन संभावित दावेदारों में दर्जनों सुयोग्य उम्मीदवार होने के कारण एकराय बनाना मुश्किल हो रहा है.

हालांकि कहा जा रहा है कि सरकार ने पिछले दिनों राज्यपालों की नियुक्ति व मनोनीत राज्यसभा सदस्यों के नाम पर विचार करते संघ के सुझाव को महत्व दिया है जिससे यह कहा जा रहा है कि अब संघ व सरकार के बीच तनाव नाम की कोई परिस्थिति नहीं बची है. फिर भी पार्टी के उच्च पदस्थ नेता भी नए अध्यक्ष के नाम के बारे में कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है.

क्या 75 के उम्र के बाद संघ प्रमुख व प्रधानमंत्री कोई कठोर निर्णय लेंगे?

पिछले दिनों संघ प्रमुख मोहन भागवत के कथित बयान जिसमें 75 साल उम्र के बाद राजनीति से अलग होने का संदेश मिलता है उसको लेकर राजनीतिक गलियारों में खुब चर्चा हो रही है. कांग्रेस पार्टी की ओर से इस संबंध में बयान भी दिया गया था. उक्त बयान के आलोक में कहा जा रहा है कि क्या संघ प्रमुख व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 75 वर्ष की आयु पूर्ण करने के बाद कोई अप्रत्याशित राजनीतिक निर्णय लेते हुए संन्यास ले लेंगे या मुख्यधारा की राजनीति से किनारा कर लेंगे. हालांकि इस संबंध में औपचारिक रूप से किसी भी तरह का बयान नहीं दिया गया है.

समोसा, जलेबी पर भी वैधानिक चेतावनी

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सिगरेट-बीड़ी के बाद अब समोसा जलेबी पर भी वक्र दृष्टि डाल दी है. एम्स सहित सभी केंद्रीय संस्थानों को आदेश दिया गया है कि वह अपने यहां तेल और शक्कर के सेवन से स्वास्थ्य को पहुंचनेवाले खतरे के बारे में आगाह करते हुए वैधानिक चेतावनी के बोर्ड लगाएं. ऐसे बोर्ड सभी होटलों, रेस्टोरेंट और सार्वजनिक जगहों पर लगाए जाएंगे. वजह यह बताई जा रही है कि अधिक मात्रा में तेल व शक्कर से बने पकवान खाने से मधुमेह, रक्तचाप और हृदय रोग बढ़ रहा है. शहरों में हर 5 में से एक व्यक्ति मोटापे से ग्रस्त है. ओवरवेट होना बीमारियों को निमंत्रण देने जैसा है. 2050 तक 44.9 भारतीय ओवरवेट या बहुत ज्यादा मोटे हो जाएंगे. एक गुलाब जामुन में 5 चम्मच शक्कर होती है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी फिट इंडिया का नारा देते हुए तेल के इस्तेमाल में 10 प्रतिशत कटौती करने को कहा है. ऐसी वैधानिक चेतावनी को कितने लोग गंभीरता से लेंगे? भारतीय नाश्ते में समोसा, जलेबी, आलूबोंडा, आलूपोहा, वड़ापाव, दाबेली, पावभाजी, उत्तपम, डोसा शामिल होते हैं. पूरी और पराठे में भी तो तेल लगता है. ऐसे में लोगों को सोचना होगा कि अंकुरित अनाज (स्प्राउट) खाएं या फिर उबाली हुई लौकी की सब्जी खाएं. इडली का नाश्ता करें और फल व मेवा खाएं? मोटापे का ऐसा मामला है कि कुछ लोगों में वंशानुगत मोटापा चला आ रहा है. उनके जीन्स ही ऐसे हैं कि बॉडी में फैट बढ़ता चला जाता है. एक समय वह भी था जब मोटे-ताजे व्यक्ति को स्वस्थ और संपन्न माना जाता था और दुबले को देखकर लोग तरस खाते थे कि बेचारे को ठीक से खाने को नहीं मिलता. आज के जमाने में शारीरिक श्रम कम हो गया. सफेदपोश लोग घंटों कुर्सी पर बैठकर काम करते हैं. गाड़ी-स्कूटर होने की वजह से 1 किलोमीटर भी पैदल नहीं चलते. खाते भरपूर हैं लेकिन पचा नहीं पाते. इसलिए मोटापा बढ़ना स्वाभाविक है. मुंबई में कोका कोला या पेप्सी की चुस्कियों के साथ वड़ा पाव खाया जाता है. घर के खाने की बजाय चटपटा फास्ट फूड मंगाकर खाने की आदत पड़ चुकी है. ऐसे में क्या समोसा-जलेबी पर वैधानिक चेतावनी लोगों पर असर करेगी?

निशानेबाज

आखिर कौन है किसका गॉडफादर एकनाथ शिंदे की शिकायत बेअसर

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, राजनीति में नेताओं के अपने-अपने गॉडफादर या धर्मपिता हुआ करते हैं. किसी मुसीबत से बचने या संरक्षण हासिल करने के लिए नेता दिल्ली की दौड़ लगाकर अपने गॉडफादर से मिलते हैं. अब देखिए न, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे विधानमंडल का सत्र जारी रहते दिल्ली जाकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मिले.

हमने कहा, राज्य के नेता केंद्र के नेताओं से मिलते हैं तो इससे आपसी विश्वास और अपनापन बढ़ता है. इसी अपनत्व की वजह से शिंदे ने पिछले दिनों एक समारोह में अमित शाह का ससुराल महाराष्ट्र के कोल्हापुर में होने का जिक्र किया था और जय महाराष्ट्र के साथ जय गुजरात का नारा भी लगाया था. इस तरह की आत्मीयता में आप गॉडफादर वाला नैरेटिव क्यों ला रहे हैं. सौजन्य भेंट भी कोई चीज होती है!

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, खबरों के अंदर जाकर देखना चाहिए. शिंदे को भी मुश्किल की घड़ी में अमित शाह

का सहारा है. कुछ दिनों पूर्व आयकर विभाग ने सामाजिक न्यायमंत्री व शिंदे सेना के मुख्य प्रवक्ता संजय शिरसाट को नोटिस दिया. एकनाथ शिंदे के पुत्र श्रीकांत शिंदे को भी आयकर विभाग का नोटिस मिलने की चर्चा है. कहा जाता है कि ऐसे में शिंदे ने अमित शाह से गुहार की कि जरा मुख्यमंत्री फडणवीस को संभालिए. शिंदे गुट का विरोध रहने के बाद भी फडणवीस ने वित्त मंत्रालय अजीत पवार को दिया था. रायगड़ जिले का पालकमंत्री पद अपनी पार्टी के लिए हासिल करने का शिंदे ने पूरा प्रयास किया लेकिन फडणवीस ने उनकी दाल नहीं गलने दी. शिंदे ने आरोप लगाया कि अजीत पवार ने हमारे विभाग की निधि डाइवर्ट कर दी. हमारे विभागों को पर्याप्त निधि नहीं दी जा रही है. इस बात पर सीएम ने ध्यान नहीं दिया. राज और उद्धव के तालमेल के पीछे भी फडणवीस की कूटनीति बताई जाती है.

हमने कहा, शिंदे फिर से मुख्यमंत्री बनना चाहते थे लेकिन बीजेपी ने उन्हें दोबारा मौका नहीं दिया. जब बीजेपी ने 132 सीटें हासिल कीं तो सीएम भी उसी का रहना चाहिए था. देवेंद्र फडणवीस के साथ बीजेपी और संघ दोनों की ताकत है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी फडणवीस के साथ खड़े हैं इसलिए शिंदे मजबूर हैं. वह जब रूठते हैं तो अपने गांव चले जाते हैं या फिर शाह के दरबार में जाकर अपना दुखड़ा सुनाते हैं.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 11964 - डॉ. सागर खादीवाला

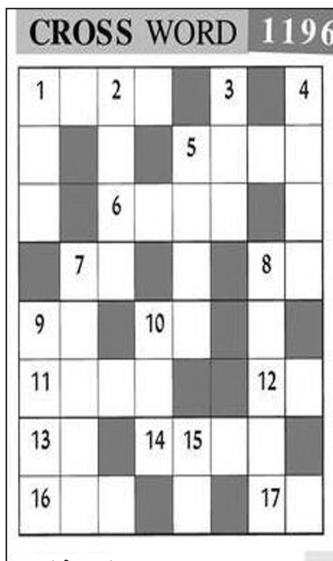

तथा विधान है

ऊपर से नीचे

1. यम की बहन, एक प्रसिद्ध नदी 2. यमराज, युधिष्ठिर 3. ढेर 4. बांटना, देना 5. असगंध नामक झाड़ी जो दवा के काम में आती है 7. क्रांतिकारी परिवर्तन, एक शरीर या रूप को दूसरे शरीर या रूप में बांटना 8. फूल जैसे कोमल और मृदुल अंगों वाला (वाली), एक रेशमी कपड़ा 9. जिसकी शक्ति नष्ट हो चुकी हो 10. घर, स्थान, मकान 15. अपराध

बाएं से दाएं

1. गौतम बुद्ध की पत्नी, सावन मास की चौथी रात (सं) 5. बेरोक, स्वच्छंद, स्वतंत्र 6. सम्राट, राजाधिराज (सं.) 7. काम, कोई शुभकर्म, बटन का छेद 8. निपुणता, हुनर, धर्म, विशेषता 9. लज्जा (उर्दू) 10. दो समान भागों में से एक अर्द्ध 11. तपस्वी, तपस्या करने वाला 12. वह पशु जो किसी देवता के उद्देश्य से मारा गया हो 13. शक्ति, सामर्थ्य 14. भारतीय आर्यों के चार वेदों में से एक जिसमें यज्ञ कर्मों का विवरण

Solution 11963

श	व	दा	ह	■	आ	स	रा
ल	ट	■	र	त्न	षा	र	खी
भ	■	रा	जा	■	■	जा	■
■	क	मा	ई	पू	त	■	आ
स	म	य	■	■	था	म	ना
च	र	ण	र	ज	■	■	का
मु	■	■	म	न	मो	हि	नी
च	म	ड़ा	■	क	र	म	■

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में निर्धारित कार्यों में आकस्मिक रूकावट आयेंगी, व्यर्थ वाद विवाद हो सकता है, व्यय में वृद्धि होगी, मानसिक अशांति रहेगी, वर्ष के मध्य में शासन से लाभ प्राप्त होगा, व्यक्तित्व का विकास होगा, सामाजिककार्यों में ख्याति प्राप्त होगी, वर्ष के अन्त में भागदौड़ से सफलता प्राप्त होगी, आर्थिक कार्यों में लाभ प्राप्त होगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को पूर्व निर्धारित कार्यों में आकस्मिक रूकावट आयेगी, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को व्यर्थ विवाद होगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को शासन से लाभ प्राप्त होगा, तथा व्यक्तिगत संबंधों में मनमुटाव हो सकता है, सिंह राशि के व्यक्तियों को यात्रा आदि से सतर्कता बांछनीय, सामाजिक कार्यों में ख्याति प्राप्त होगी, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को परिश्रम की अधिकता रहेगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियोंको प्रतिस्पर्धा में सफलता मिलेगी. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों की आर्थिक उन्नति होगी, सफलता मिलेगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक शांत स्वाभिमानी अपने कार्यो के प्रति सजग रहने वाला सक्रिय होगा, इसको जब क्रोध आयेगा, तो शीघ्र शांत नहीं होगा. अपनी मनमर्जी का मालिक होगा. अन्याय को कभी सहन नहीं करेगा. शिक्षा साधारण होगी. स्वतंत्र व्यवसाय करेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

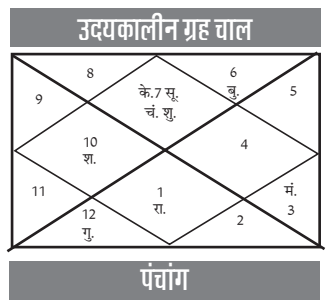

पंचांग

रा.मि. 25 संवत् 2082 श्रावण कृष्ण षष्ठी बुधवासरे रात 8/0, पूर्वाभाद्रपद नक्षत्रे प्रातः 5/52 तदुपरि उत्तराभाद्रपद नक्षत्रे रातअंत 4/47 शोभान योगे दिन 12/43, गर करणे सू.उ. 5/17 सू.अ. 6/43, चन्द्रचार मीन, शु.रा. 12, 2, 3, 6, 7, 10 अ.रा. 1, 4,5, 8, 9, 11 शुभांक-5, 7, 1.

व्यापार भविष्य

श्रावण कृष्ण षष्ठी को पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र के प्रभाव से गुड़, खांड़, शक्कर, में तेजी का योग है. गेहूँ, जौ, चना, आदि अनाजों में नरमी रहेगी. वायदा विचार आज पिछले दिन के भाव ऊँचे रहेंगे. उसी में तेजी होगी. भाग्यांक 3633 है.

मेष- धन संबंधी मामले में सावधानी पूर्वक निर्णय करें. रोगी की चिन्ता रहेगी. व्यापार व्यवसाय अच्छा चलेगा. सोचे हुये कार्य बनने का योग है.

वृषभ- सामूहिक कार्य में सबकी सलाह से रावणे बढ़ना जरूरी है. मित्रों का साथ लाभकारी रहेगा. लाभ मिलने का योग है. आय भी संतोषजनक रहेगी.

मिथुन- धार्मिक आस्था बढ़ेगी. पिछले अनुभवों से सबक लेकर रावणे बढ़ें. साहसिक कार्य बनेगा. किसी व्यक्ति से प्रसननता होगी. दायित्वों की पूर्ति होगी.

कर्क- जोखिम के कार्यों से दूर रहें. बातचीत में नरमी बरतें. किसी परीक्षा में सफलता मिलेगी. रोगी की चिन्ता रहेगी. खर्च विशेष होगा.

सिंह- सही वक्त पर फैसला लेने से नुकसान होगा.भौतिक सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी. नया कार्य मिलने का योग है. सुख सौहार्द्र बना रहेगा.

कन्या- नौकरी में रहे व्यक्ति नये विकल्पों की तलाश में रहेंगे. मनोबल बना रहेगा. पारिवारिक सुख और सहयोग मिलेगा. दूर की यात्रा हो सकती है.

तुला- नये सौदे व्यापार में मजबूती प्रदान करेंगे. व्यापारिक लेनदेन में सफलता मिलेगी. कार्यो का समाधान होगा. पूज्य व्यक्ति से लाभ प्राप्त होगा.

वृश्चिक- आय के नये साधन जुड़ेंगे. कामकाज की व्यस्तता बढ़ेगी. समय का ध्यान रखें. कुछ नये आयोजनों का विस्तार होगा. साहस बना रहेगा.

धनु- पारिवारिक आयोजन प्रसन्नतादायक रहेगा. लक्ष्य की अधिकता रहेगी. अनावश्यक कार्यो कोटालें. खर्च की अधिकता रहेगी.

मकर- कार्यस्थल पर व्यवस्था बनाये रखने के लिये सख्ती रखना पडेगी, जिससे सहयोगी नाराज होंगे. आकस्मिक धन की प्राप्ति होगी. रमणीक स्थल की सैर होगी.

कुम्भ- प्रतिभा के बल पर कार्यक्षेत्र में अलग पहचान बनाने में सफलता मिलेगी. रोजगार संबंधी समाचार मिलेगा. अनावश्यक खर्च को टालें.

मीन- खर्च की अधिकता से कर्ज लेना पड़ सकता है. पारिवारिक यात्रा होगी. धार्मिक कार्यो की रूपरेखा बनेगी. कोई कामकाज विशेष होगा.

SUDOKU 7096

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7095

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9